महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में दिनांक 11 फरवरी 2026 को, पं दीन दयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि पर पं दीन दयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रुरल डेवलपमेंट, पं दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ, पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर स्किल एंड वोकेशनल एजुकेशन तथा लोक प्रशासन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में- "पंडित दीनदयाल उपाध्याय का दर्शन: वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता" विषयक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय अभिलेखागार प्रमुख श्री अजय कुमार इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे। सेवानिवृत प्रो. सीता राम व्यास ने कार्यक्रम में बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर शिरकत की। पं दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के अध्यक्ष एवम् लोक प्रशासन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डाला । श्री अजय कुमार ने आपने भाषण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन के बारे में विस्तार पूर्वक वर्णन करते हुए कहा कि इस व्याख्यान का उद्देश्य पंडित दीन दयाल उपाध्याय के दर्शन और दृष्टिकोण के बारे में समाज को जागरूक करना है।उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद को एक सांस्कृतिक दृष्टिकोण से परिभाषित किया, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग का उत्थान, लोककल्याण, और समग्र विकास की प्रक्रिया शामिल हो। वे एकात्म मानववाद के पक्षधर थे, जिसमें समाज, धर्म, संस्कृति और राष्ट्र को एकजुट रूप से देखा गया। इस के बाद गेस्ट ऑफ ऑनर सेवानिवृत प्रो. सीता राम व्यास ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय का जीवन परिचय एवम् दर्शन का मार्मिक व्याख्यान किया । उनका विचार था कि राष्ट्र केवल भौतिक या भौगोलिक एकता का नाम नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक समुदाय है। उनका मानना था कि राष्ट्र का वास्तविक आधार उसकी संस्कृति, परंपराएँ और मूल्य होते हैं, जो उसे एकजुट करते हैं और उसकी पहचान को बनाते हैं। शोधार्थी पूजा गोयल ने मंच संचालन किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेंटर फॉर स्किल एंड वोकेशनल एजुकेशन के निदेशक प्रो. युद्धवीर ने अंत में आभार जताया। इस अवसर पर डॉ. एस एस चाहर, डॉ. जगबीर नरवाल, डॉ. समुंदर सिंह, डॉ. सुमन लता सहित विभाग के सभी शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

READING
HALL

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY, ROHTAK
EXTENSION LECTURE
" Budget is the life blood of the government."
- Aaron Wildavsky